वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 244 | सोमवार 1 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चाहत वेलफेयर फाउंडेशन

कच्ची बस्ती में महिलाओं को बांटे सैनिटरी नैपकिन और गर्म कपड़े

जयपुर. कासं। चाहत वेलफेयर फाउंडेशन की तरफ से मानसरोवर के वीर तेजाजी (वी. टी.) रोड कच्ची बस्ती में महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन बांटे गए। संस्था की ओर से संतोष जांगिड, युक्ता हर्ष, ईशिका जांगिड, रानु जैन, आयुषि जैन उपस्थित रहे। संतोष जांगिड ने महिलाओं व किशोर बालिकाओं को माहवारी के समय सैनिटरी नैपकिन को काम लेने के लिए समझाया। इसके बाद सभी महिलाओं व बच्चो को गर्म पड़े भी वितरित किए गए।

राम रथ यात्राओं के साथ साल 2023 का समापन

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव निमंत्रण अभियान के लिए जयपुर में निकाली कलश यात्राएं

जयपुर. कासं

अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव होने जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पूरे देश में निमंत्रण अभियान चला रही है। इसे लेकर जगह-जगह राम रथ और कलश यात्रा निकाली जा रही है। साल के अंतिम दिन विश्व हिन्दू परिषद की ओर से जयपुर शहर में अक्षत वितरण और जन जागरण के लिए विशाल रथ और कलश यात्राएं निकाली गई। मालवीय नगर, मानसरोवर, हसनपुरा जगतपुरा समेत कई इलाकों में भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें पीले अक्षत कलश सहित भगवान राम का दरबार सजाया गया। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। राम रथ यात्रा में बच्चों को राम, सीता, लक्ष्मण के प्रतिरूप बनाकर एक शोभायात्रा का आयोजन मालेश्वर महादेव मंदिर से पालिक बाजार, गिरधर मार्ग होते हुए शिव मंदिर में संपन्न किया गया। इस दौरान रथ का व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों ने जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम मे विहिप के प्रांत पदाधिकारी प्रांत उपाध्यक्ष सुभद्र पापड़ीवाल, प्रांत मंत्री अशोक डीडवानिया, विशेष संपर्क प्रमुख सुलभ शुक्ला, पंकज कुमावत और प्रखंड स्तर के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद् से अनिल गुप्ता मालवीय जिला मंत्री, प्रांत प्रचार प्रमुख अमितोष पारीक, साहिल वाधवा महानगर प्रचार प्रमुख और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहनगर कार्यवाह कमलेश भी सम्मिलित हुए। जगतपुरा कलश यात्रा के मुख्य संयोजक अक्षय गुप्ता ने

बताया कि कलश यात्रा को सार्वजनिक महाआरती औरभोजन प्रसादी के साथ शिव मंदिर महल रोड पर संपन्न किया गया। गालाव भाग में संतों के सानिध्य में मां शेरावाली व जिंद बाबा का मंदिर मानबाग से विशाल भगवा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र रहे राम दरबार सजा हुआ रथ, हनुमान जी का प्रतिरूप, वानर रूप में सजे हुए बच्चे। रामरथ की जगह-जगह लोगों ने आरती की वह संतों का सम्मान किया। संतो के आशीर्वचन से शोभा यात्रा का समापन ठाकुर जी का मंदिर जयसिंहपुरा खोर बस स्टैंड पर हुआ। विशाल शोभा यात्रा में संत मनीषदास त्यागी, संत सुलोचन दास त्यागी व अन्य संतों के साथ विश्व हिंदू परिषद् से सहमंत्री लालचंद जग्रवाल जी, रामप्रसाद सैनी, मदन जी गुर्जर, इंद्रराज गुर्जर, राकेश शर्मा और समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

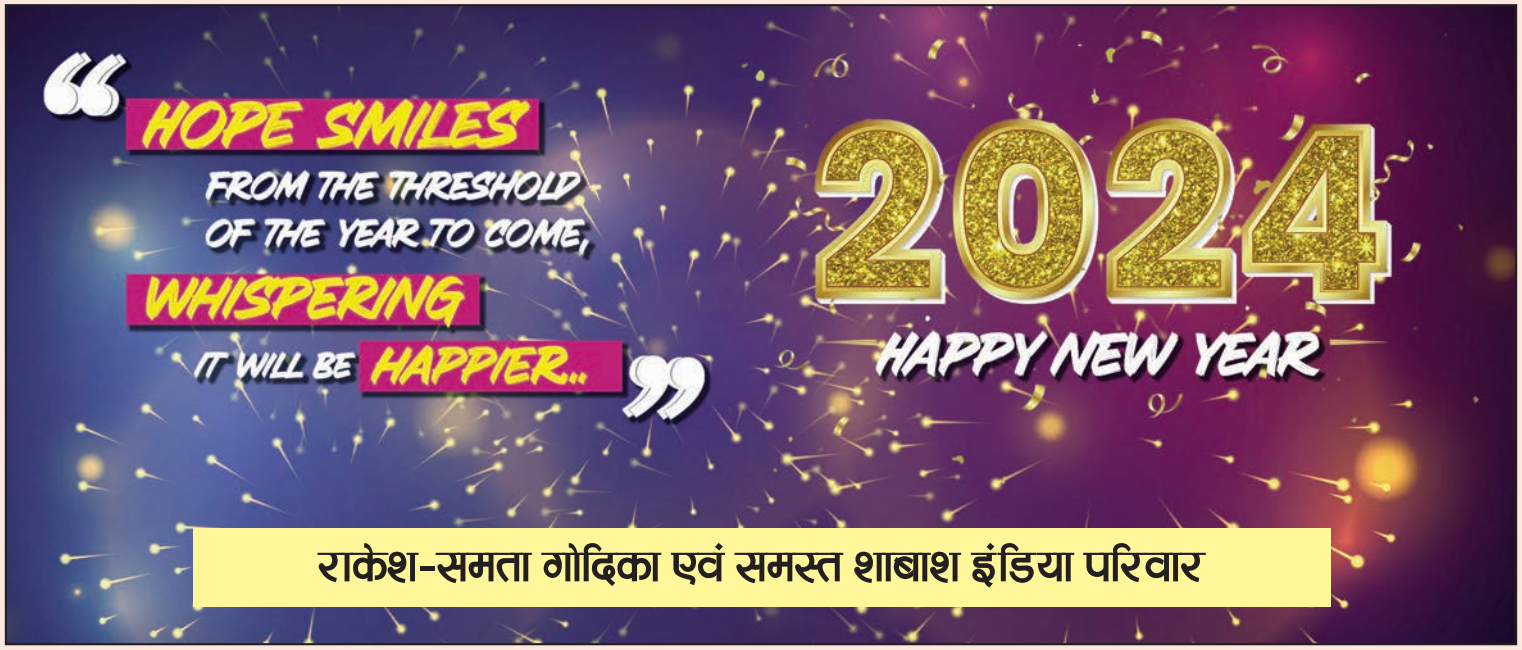

अंग्रेजी नूतन वर्ष 2024 पर विशेष

आधुनिकता के नाम पर अपनी संस्कृति को न भूलें

(नए लक्ष्य, नए आईडियाज के साथ करें नए वर्ष का स्वागत)

अंग्रेजी वर्ष 2023 को अलविदा, 2024 का स्वागत। नया साल दुनिया में सबसे अधिक मनाया जाने वाले दिनों में से एक है। इस दिन को अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं से आकार दिया जाता है। इस दिन पर नए साल के मंगलमय गुजरने की खुशी में और आने वाले साल की अच्छी कामना के लिए संकल्प लिया जाता है। यूं तो पूरे विश्व में नया साल अलग-अलग दिन मनाया जाता है और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में भी नए साल की शुरूआत अलग-अलग समय होती है। लेकिन अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी से नए साल की शुरूआत मानी जाती है। चूंकि 31 दिसंबर को एक वर्ष का अंत होने के बाद 1 जनवरी से नए अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष की शुरूआत होती है। इसलिए इस दिन को पूरी दुनिया में नया साल शुरू होने के उपलक्ष्य में त्यौहार की तरह मनाया जाता है। चूंकि साल नया है, इसलिए नई उम्मीदें, नए सपने, नए लक्ष्य, नए आईडियाज के साथ इसका स्वागत किया जाता है। नया साल मनाने के पीछे मान्यता है कि साल का पहला दिन अगर उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाए, तो साल भर इसी उत्साह और खुशियों के साथ ही बीतेगा।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

भारत में नववर्ष : भारत कैलेंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रमी संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रमी और शक संवत हैं। माना जाता है कि विक्रमी संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रमी संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है। इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ईस्वी में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। सबसे प्राचीन संवत की बात की जाय तो सबसे प्राचीन संवत जैन संवत- वीर निर्वाण संवत है, इसके पुख्ता प्रमाण भी हैं। जैन परंपरा में भगवान महावीर स्वामी के निवार्णोत्सव के अगले दिन से नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। पश्चिम से आये अंग्रेजी वर्ष के पहले दिन का स्वागत हम भोग, विलास के आयोजनों से करते हैं। इस दिन खासतौर से हमारा युवा वर्ग न जाने कितने अनैतिक कार्यों में लिप्त होकर इसका स्वागत करता है। जबकि होना यह चाहिए कि हम नव वर्ष का स्वागत नए संकल्प और अच्छे कार्यों के साथ करें। इस दिन को पूजा, प्रार्थना और परोपकार के कार्यों लगाना चाहिए ताकि पूरा वर्ष हमें एक नई दिशा दिखाए, उन्नति के नई सूत्र हमें प्राप्त हों पर अफसोस हमारा युवा वर्ग पश्चिमी आवोहवा इतना बह गया है कि वह अपना विवेक खोता जा रहा है। पश्चिमी संस्कृति हमारे संस्कारों का गला घोंट रही है।आज हम आधुनिकता की अंधी दौड़ में भागे जा रहे है। अंग्रेजी सभ्यता में गुम होकर अपने गौरव व सांस्कृतिक मूल्यों को खोते जा रहे है। नया वर्ष मनाने की सार्थकता तो तभी है जब हम इस दिन असहाय की मदद करें, अपने धन का सदुपयोग करें, जरूरतमंदों के सहारा बनें, प्रभु प्रार्थना करें कि यह वर्ष खुशियों से भरा हो, दुःखद अतीत वापस न आये, पर्यावरण के संरक्षण में योगदान, माता-पिता के सम्मान, स्वच्छता की सपथ लेने के संकल्प लें। हमारे पूज्य संत भी अब युवा पीढ़ी को जागरूक कर रहे हैं। 1 जनवरी को अब अनेक जगह विविध धार्मिक आयोजन होने से युवा पीढ़ी को अंग्रेजी नव वर्ष के प्रथम दिवस भोग-विलास की जगह धर्म से जोड़ रहे हैं, यह अच्छी पहल है। नव वर्ष का दिन सभी लोगों को बताता है कि अब हमें बीते हुए साल को खुशी खुशी विदा कर देना चाहिए और खुशी-खुशी नए साल का स्वागत करना चाहिए। जीवन में हमेशा अतीत को भुलाकर वर्तमान के विषय में सोचना चाहिए जिससे हमारा आने वाला भविष्य उज्जवल बने। वर्तमान दौर में देश की आबोहवा बदल रही है। मैं यह नही कहता कि हम दूसरों की संस्कृति और सभ्यता का अपमान करें। हम तो उस संस्कृति से आते है जहां बहुजन हिताय बहुजन सुखाय का शोर गूँजता है। लेकिन, इसका ये मतलब कतई नहीं कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी ही संस्कृति को भूला दें। 2023 हमसे बिछड़ गया है, यादों के झुरमुट में कुछ पन्ने और जुड़ जाएंगे...खट्टी मिट्ठी यादों के साथ कैलेंडर बदल गया है।

राष्ट्र और समाज निर्माण में पत्रकार की अहम भूमिका : सिंह

चतुर्थ प्रदेश स्तरीय ऐतिहासिक पत्रकरिता महोत्सव में 100 पत्रकारों का हुआ सम्मान

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। किशनगढ़ रेनवाल शहर में शनिवार को श्री कुल्लू वाली माता जी मंदिर सेवा समिति एवं राजस्थान प्रगतिशील संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में चतुर्थ प्रदेश स्तरीय पत्रकारिता महोत्सव का आयोजन शक्तिपीठ श्री कुल्लू वाली माता जी मंदिर परिसर में आयोजित हुआ कार्यक्रम पुजारी नाथूराम सांखला की गौरवमयी उपस्थिति एवं पुलिस उपाधीक्षक अनूप सिंह, आकाशवाणी दूरदर्शन निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद चेतिवाल, रेनवाल थाना प्रभारी सुरेश सिंह पहाड़िया के मुख्य आतिथ्य और नगर पालिका अध्यक्ष अमित ओसवाल अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां कुल्लू देवी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया महोत्सव में अनेक पत्रकारों एवं वक्ताओं ने प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया पर पर विचार रखे अनूप सिंह ने कहा कि पत्रकारों को 24 घंटे सतर्क रहना होता है पत्रकार प्रशासन और जनता के बीच एक सेतु का कार्य करता है राष्ट्र और समाज के निर्माण में अहम भूमिका होती है एन.आर मनोहर ने कहा कि वर्तमान दौर में सक्रिय हुए सोशल न प्रिंट मीडिया के सामने खुली चुनौती रखी है जिसे स्वीकार किया जाना चाहिए कार्यक्रम संयोजक डॉ.लक्ष्मी नारायण सामरिया ने बताया कि में सम्पूर्ण प्रदेश के कोने-कोने से आए 100 पत्रकारों को मैडल, प्रशस्ति पत्र एवं ' आइकन ऑफ जर्नलिज्म अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। भामाशाहों को सम्मान चिन्ह एव अभिनंदन पत्र प्रदान किए गए कार्यक्रम का मंच संचालन एडवोकेट भीष्म असवाल ने किया कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय भंवाई नृत्य कलाकार अशोक पहाड़िया ने अपनी नृत्य अनुपम प्रस्तुति से अपनी कला की छटा बिखेरते हुए सभी को अपनी ओर आकर्षित किया महोत्सव में सह संयोजक भगवानसहाय यादव, वरिष्ठ पत्रकार कमल जैन,राहुल शर्मा, उत्तमचंद जैन, कमलेश शर्मा रेनवाल,मुन्ना भाई सिनोदिया, आयुष पाटनी आदि पत्रकारों सहित व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक असावा, नगर पालिका उपाध्यक्ष छीतरमल परेवा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश रेगर, रामगोपाल अग्रवाल, सुप्यार देवी, सरोज बाकोलिया, मनीष अग्रवाल, युवा नेता देवकिशन दायमा, बाल संरक्षण विशेषज्ञ पूजा दायमा, विष्णु मनोहर, कैलाश बागड़ी सहित प्रबुद्धजन एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

धार्मिक संस्कारों से ओत- प्रोत हो रहे हैं बच्चे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। बाहुबली दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चे पूजा-अर्चना कर धार्मिक संस्कारों से ओत-प्रोत हो रहे हैं। पाठशाला में अध्ययनरत बच्चों को रविवार को नुपुर बाकलीवाल, संगीता पाटनी व निधि जमोरिया आदि ने आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्ट द्रव्यों से देव, शास्त्र, गुरु की पूजा करवाई। जैन पाठशाला के बच्चे आचार्य विवेक सागर महाराज की प्रेरणा से प्रत्येक रविवार को पूजा-अर्चना कर धर्म प्रभावना कर रहे हैं।

चौबीस घंटे के अखंड भक्तामर पाठ का हुआ शुभारंभ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन समाज की ओर से नववर्ष के अवसर पर आयोजित चौबीस घंटे के अखंड भक्तामर पाठ का रविवार को प्रातः राजनारायण रोड स्थित मुनि सुव्रतनाथ चैत्यालय में शुभारंभ हुआ। पाठ में सभी मंदिरों के महिला मंडलों व श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से भाग लिया। पाठ का समापन सोमवार को प्रातः 7 बजे होगा। पाठ का समापन के बाद प्रातः 7:15 बजे अभिषेक व शांतिधारा व प्रातः 8 बजे से भक्तामर विधान का आयोजन होगा।

वेद ज्ञान

शब्द ब्रह्म अकाट्य होता है

शब्दब्रह्म रूपी कमल आचरण व साधना की उर्वरा भूमि पर ही खिलता है। आचरण की सभ्यता व मौलिकता इसकी दीर्घजीविता का मूल है। आडंबर व कृत्रिमता की कोख से जन्मा शब्द, शब्दभ्रम तो हो सकता है, लेकिन शब्दब्रह्म नहीं। शब्द ब्रह्म अकाट्य, अनश्वर व अविनाशी होता है। शब्दब्रह्म के चुने गए खुशबूदार शब्द-पुष्पों से वाणी का निर्माण होता है। वाणी अभिव्यक्ति का शाश्वत शृंगार है। व्यक्ति के क्षय हो जाने के बाद भी वाणी किसी न किसी रूप में ब्रह्मांड में कायम रहती है। शब्दभ्रम के कृत्रिम पुष्पों से अभिव्यक्ति का सांसारिक गंतव्य तो सिद्ध हो सकता है, लेकिन जीवन के असली गंतव्य और शब्दब्रह्म की शाश्वतता और स्थायित्व को प्राप्त नहीं किया जा सकता। जब शब्द व अभिव्यक्ति आचरण और तप साधना में पगकर उपजते हैं तो वे भाषाई मिसाइल का कार्य करते हैं। आचरणयुक्त अनुप्रयोग की शत-प्रतिशतता से वे गृहीता का भी कायाकल्प करने की क्षमता रखते हैं। शब्दों का अपव्यय इनकी ऊर्जा व शक्ति-सामर्थ्य को भी कम कर सकता है, जबकि इनका संचय व सार्थक उपयोग नई जीवनीशक्ति उपहार में देता है। अविवेकपूर्ण शब्द प्रयोग दुविधा उत्पन्न कर खुद को ही तनाव, दबाव और चिंता में डाल देता है। इसके विपरीत शब्द का सार्थक व सोद्देश्य निवेश दूसरों के लिए भी कल्याणकारी सिद्ध होता है। शब्दब्रह्म की प्रामाणिकता प्राप्त कर देने वाला शब्द दूसरों के कष्ट, संताप, व्याधि व वेदनाओं का भी हरण कर सकता है। स्वयं और दूसरों के लिए वह सर्वथा हितैषी व कल्याणकारी सिद्ध होता है। परिष्कृत शब्द संत की तरह निर्मल और निश्छल होता है। वह हृदय सरोवर में लोगों के उद्धार के लिए ही अवतरित होता है। वही कभी मीरा, नानक, कबीर, रैदास की वाणी बनकर युग का नेतृत्व व मार्गदर्शन करता है और कभी गीता, भागवत व पुराणों की मंत्र-संहिता बनकर साधकों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला शक्तिपीठ बनता है। वह दूसरों को व्याधि-मुक्त करने का अमोघ-शस्त्र है।

संपादकीय

कतर मामला भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत

कतर की एक अदालत में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा में कमी की खबर कई लिहाज से बेहद अहम है। न सिर्फ संबंधित कर्मियों के परिजनों को इससे काफी राहत मिली होगी, बल्कि यह भारत के लिए भी एक जरूरी फैसला है, क्योंकि जिस दिन मौत की सजा तय होने की खबर आई थी, तभी से यह देश भर में सबकी चिंता का कारण बना हुआ था। मगर गुरुवार को विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कतर में जिन भारतीय कर्मियों के लिए मृत्युदंड निर्धारित किया गया था, वह सजा अब कम कर दी गई है। जाहिर है, अब आगे की सुनवाई में नौसेना के उन पूर्व कर्मियों की सजा में अधिक राहत दिलाने की कोशिश और प्रक्रिया जारी रहेगी, लेकिन इससे एक अहम पक्ष यह साफ हुआ है कि इस संबंध में आई खबर के बाद से ही भारत की ओर से लगातार कूटनीतिक स्तर पर ऐसी कोशिशें शुरू कर दी गई थीं, जिसमें सबसे पहले इस पर जोर दिया गया कि फिलहाल मौत की सजा पर रोक लगे। इस समूचे घटनाक्रम का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि कतर में पहले तय की गई सजा को कम करने पर बनी सहमति को दरअसल भारत के कूटनीतिक प्रयासों की कामयाबी के तौर पर दर्ज किया जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय नौसेना के जिन आठ पूर्व अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई थी, वे सभी दोहा स्थित उस दहारा ग्लोबल कंपनी के कर्मचारी थे, जो कतर के सशस्त्र बलों और सुरक्षा एजंसियों को प्रशिक्षण और अन्य सेवाएं प्रदान करती है। हालांकि इन अधिकारियों को अगस्त, 2022 में एक पनडुब्बी परियोजना की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कतर की ओर से आरोप कभी सार्वजनिक नहीं किए गए थे। इस दौरान आठों कर्मियों के जेल में एक वर्ष से ज्यादा रहने के बाद बीते अक्तूबर में प्राथमिक सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें फांसी की सजा सुना दी थी। हालांकि इतने सख्त फैसले तक पहुंचने तक शायद और विचार किया जा सकता था, क्योंकि अब आखिर किसी ठोस आधार पर ही अपीलीय अदालत ने मौत की सजा को कम किया है। दरअसल, अक्तूबर में मौत की सजा की खबर आने के बाद देश के लोगों के बीच यह स्वाभाविक उम्मीद पैदा हुई कि इस मसले पर भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर सजा को माफ या कम कराने की कोशिश करेगी। इस बीच कुछ समय पहले दुबई में काप-28 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने कतर के अमीर से अलग से मुलाकात की और कतर में रह रहे भारतीय समुदाय के कल्याण को लेकर चर्चा की थी। अब सजा में राहत की खबर के बाद यह भी उम्मीद होगी कि क्या इससे ज्यादा नरमी की गुंजाइश बन सकती है। अगर ऐसा नहीं भी होता है तो सन 2014 में भारत और कतर के बीच सजा पाए कैदियों की अदला-बदली के लिए हुए एक समझौते के तहत अगर प्रक्रिया आगे बढ़ी तो संभवतः इन पूर्व नौ-सैनिकों को सजा का बाकी हिस्सा काटने के लिए भारत लाया जा सकेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कचरे का निस्तारण

ठोस कचरे के निस्तारण की कोशिश के तहत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने हाईवे निर्माण में उसके उपयोग को बढ़ाने का जो पहल की है, वह सराहनीय है। हाईवे निर्माण में ठोस कचरे का इस्तेमाल इसलिए संभव हो सकेगा, क्योंकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे एवं अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे में उसके उपयोग के जो पायलट प्रोजेक्ट चलाए गए, वे सफल रहे और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने भी यह पाया कि इससे सड़कों की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होती। सड़कों के निर्माण में ठोस कचरे के उपयोग से केवल कूड़े के पहाड़ों को कम करने में ही मदद नहीं मिलेगी, बल्कि सड़क बनाने में बड़े पैमाने पर मिट्टी की जो जरूरत पड़ती है, उससे भी बचा जा सकेगा। ध्यान रहे कि कई बार यह मिट्टी खेती वाली जमीन से जुटानी पड़ती है। इसके अपने नुकसान हैं। अपने देश में कचरे का निस्तारण एक बहुत बड़ी चुनौती है। हर बड़े शहर में कचरे के पहाड़ खड़े होते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि दिल्ली एवं मुंबई जैसे शहरों में कचरे के जो पहाड़ खड़े हो गए हैं, उन्हें दूर करने में सफलता नहीं मिल पा रही है। स्वच्छ भारत मिशन के एक आकलन के अनुसार लगभग 1,700 लाख टन कचरा डंपिंग साइटों पर जमा है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि इसमें से एक बड़े हिस्से को सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जाए। सड़क निर्माण में ठोस कचरे का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन से मिलकर कार्य करेगा। यह मिशन शहरी निकायों को ठोस कचरे के निस्तारण के लिए सहायता प्रदान करता है। स्पष्ट है कि शहरी निकायों को इसमें दिलचस्पी दिखानी होगी कि सड़क निर्माण में ठोस कचरे का उपयोग हो सके। वास्तव में केवल दिलचस्पी से ही बात नहीं बनेगी, क्योंकि सामान्य कचरे से ठोस कचरे को अलग करने का भी काम करना होगा। अभी आम तौर पर हमारे शहरों में हर तरह के कचरे को एक ही स्थान पर जमा कर दिया जाता है। चंद शहर ही ऐसे हैं, जहां कचरे की प्रकृति के अनुसार उन्हें अलग-अलग एकत्रित किया जाता है। उचित यह होगा कि शहरी निकायों को इसके लिए तैयार किया जाए कि वे हर किस्म के कचरे को प्रारंभिक स्तर पर ही अलग-अलग करके जमा करने का काम करें। इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि आधुनिक जीवनशैली कहीं अधिक कचरा पैदा कर रही है। बढ़ता हुआ कचरा पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का प्रचलन कम करने के कारगर उपाय नहीं किए जा पा रहे हैं। स्थिति यह है कि तमाम घोषणाओं के बावजूद पालिथीन के चलन को रोकने में भी सफलता नहीं मिल रही है। एक नई समस्या ई-कचरा बन गया है, क्योंकि ऐसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों का उपयोग बढ़ता जा रहा है, जो कुछ ही वर्ष चलते हैं।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव

उमड़े हजारों श्रद्धालु,जीमी पौष बड़ा प्रसादी

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव रविवार को किया गया। इस मौके परकोटे व जयपुर की कई कॉलोनियों, दिल्ली व आगरा रोड के हजारों भक्तों पौष बड़ा प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान आसपास का क्षेत्र प्रथम पूज्य के जयकारो से गुंजायमान हो उठा। बंगाली बाबा मंदिर प्रबंध समिति के संरक्षक मुन्ना अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व संयोजक व उपाध्यक्ष संजय पतंगवाला ने बताया कि इस मौके पर प्रथम पूज्य गणेश व स्वयं आत्माराम जलेष्वर महादेव का आकर्षक श्रंगार कर पौष बड़ा प्रसादी का भोग लगाया गया। श्रंगार सभी भक्तों

के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। महामंत्री गजेन्द्र लूनीवाल ने बताया कि दोपहर बाद से ही परकोटे व जयपुर की कई कॉलोनियों, दिल्ली व आगरा रोड के हजारों भक्त गण प्रथम जयकारे लगाते हुए टोलियों के रूप में प्रसादी ग्रहण करने के लिए आ रहे थे।इस दौरान गूंज रहे प्रथम पूज्य व भोले बाबा के जयकारों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। प्रसादी ग्रहण का सिलसिला दोपहर 3 बजे शुरू हुआ जो देर रात्रि में जाकर थमा। सर्वप्रथम विभिन्न मंदिरों के संत महंतों ने प्रसादी ग्रहण की। इसके बाद परकोटे व जयपुर की कई कॉलोनियों,दिल्ली व आगरा रोड के हजारों भक्तों ने हलवे, सब्जी, बड़े की प्रसादी ग्रहण की। कोषाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान हजारों भक्तों को करीब 500 के आसपास स्वयं सेवकों ने प्रसादी परोसी। इस दौरान विभिन्न मंदिरों के संत-महंतों के अलावा राजनैतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर प्रथम पूज्य के दर्षन कर प्रसादी ग्रहण की। संयोजक व उपाध्यक्ष संजय पतंगवाला ने बताया कि प्रसादी बनने का कार्यक्रम शनिवार को शुरू हो गया था। करीब 50 भट्टियों पर 250 हलवाइयों ने यह प्रसादी बनाई। प्रसादी में 1500 किलो सूजी,1500 चीनी,200पीपे तेल, 4हजार क्विंटल आटा, 1 ट्रक केक आसपास सब्जी का उपयोग का उपयोग किया गया।

राकेश जैन, विनायका, सर्व सहमति से, अंतरराष्ट्रीय दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के पुनः अध्यक्ष मनोनित

इंदौर. शाबाश इंडिया। जुझारू एवं नेतृत्व क्षमता के धनी राकेश जैन, विनायका, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन जो कि भारतवर्ष में दिगम्बर जैन समाज का सर्वाधिक सक्रिय संगठन है जिसकी 350 से अधिक शाखाएं 13 राज्यो के माध्यम से संपूर्ण देश में फैली हुई हैं इसकी 5 अंतरराष्ट्रीय शाखाए यू एस ए,ऑस्ट्रेलिया ,दुबई , इंग्लैंड है, के पुनः सर्व सहमति से अध्यक्ष चुने गए हैं। राकेश जैन विनायका, सामाजिक क्षेत्र के साथ-साथ भारत सरकार की प्रतिष्ठित महाराष्ट्र बैंक में उच्च पद पर कार्यरत हैं। दिनांक 30 दिसंबर शनिवार को स्थानीय अनूप भवन में सोशल ग्रुप फेडरेशन के कोर कमिटी मेंबर्स की मीटिंग में फेडरेशन की संरक्षिका श्रीमती पुष्पा प्रदीप सिंह कासलीवाल ने कमिटी मेंबर्स की सलाह और सहमति के बाद यह निर्णय लिया। फेडरेशन के मीडिया प्रभारी संजीव जैन संजीवनी एवं राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जब से राकेश जैन विनायका फेडरेशन के अध्यक्ष मनोनीत हुए हैं फेडरेशन ने अपने कार्यों से संपूर्ण देश प्रदेश में धार्मिक सामाजिक कार्यों में एक नई पहचान की स्थापना की है। जिनमें मुख्य रूप से फेडरेशन के पदाधिकारी और सदस्यों को सम्मेदशिखरजी की यात्रा, क्रिकेट टूर्नामेंट एवं मुख्य रूप से सर्वाधिक सफल अंतरराष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन शामिल है। जैन को फेडरेशन अध्यक्ष की जिम्मेदारी पुनः मिलने पर समाज के अध्यक्ष राजकुमार पाटौदी, अमित कासलीवाल, आदित्य कासलीवाल मंत्री,डॉ जैनेंद्र जैन, आजाद जैन बीड़ी वाले, श्रीमती रानी अशोक दोषी, श्रीमती स्मिता जैन संजीवनी श्रीमती मुक्ता जैन विपुल बाँझल, विमल चौधरी, सुशील पांडया, कमलेश कासलीवाल, दिनेश दोशी अनुराग जैन व समस्त समाज जनों ने बधाइयां प्रेषित की हैं।

नववर्ष का सुनहरा आगाज: राजस्थानी लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंकसिटी प्रेस क्लब में नववर्ष की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का स्वागत किया। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, विशिष्ट अतिथि हवामहल विधायक महन्त बाल मुकुन्द आचार्य, भाजपा कला साहित्य, पर्यटन प्रकोष्ठ सहसंयोजक शालिनी शर्मा ने प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी एवं क्लब सदस्यों को नववर्ष के हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से मंगल कामना की। क्लब अध्यक्ष राधारमण शर्मा, महासचिव रामेन्द्र सोलंकी ने बताया कि कोषाध्यक्ष राहुल गौतम के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में नेहा रोहिल्ला एण्ड पार्टी के लोक कलाकारों ने चिरमी, चरी नृत्य, पिया आओ तो, मत पियो छैल तम्बाकुड़ी, और रंग दे, मरू रंग, मोनिया युगल नृत्य, चन्द्र गोरजा, नखरों छोड़ दे भाभी, काजलियो, बीजणा, हिवडे सू दूर मत जाय मिल जावे, घूमर, उंचो घाल्यो पालणो, धरती धोरां री, सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिसे देख दर्शक रोमांचित हो उठे। क्लब सदस्यों ने डीजे पर थिरकते हुए नववर्ष का आगाज किया। लोक कलाकार मिनाक्षी सैन ने फिल्मी गीतों पर नृत्यों की विशेष प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष राधारमण शर्मा, महासचिव रामेन्द्र सोलंकी ने बताया कि कोषाध्यक्ष राहुल गौतम उपाध्यक्ष विजेन्द्र जायसवाल, राहुल भारद्वाज एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मोनिका शर्मा, अनिता शर्मा, दिनेश कुमार सैनी, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, सन्नी आत्रेय, नमोनारायण अवस्थी, विकास आर्य, उमंग माथुर, ओमवीर भार्गव दिनेश कुमार शर्मा ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

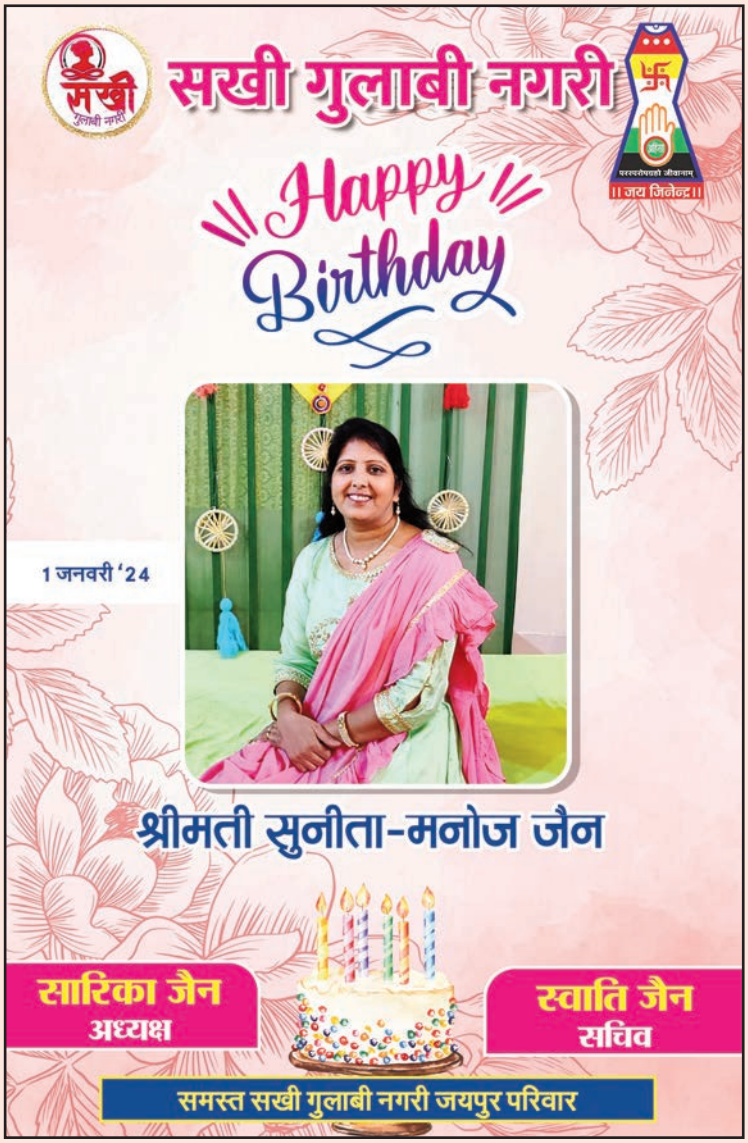

डबल शंकर महादेव मंदिर में विशाल पौषबड़ा महोत्सव, उमड़ा जन सेलाब

1100 दीपकों से हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया

बाबा हरिशचन्द्र मार्ग स्थित डबल शंकर महादेव मंदिर में रविवार को विशाल पौषबडा महोत्सव आयोजित हुआ। जिसमें बडी संख्या में जन सेलाब उमडा और हजारों लोगो ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर बैण्ड बाजों, शंख नाद, नगाडों और घण्टे घडियालों के साथ भगवान शंकर की आरती उतारी गई। जिसमें 1100 दीपकों से महादेव जी की आरती उतारी गयी। महोत्सव में बडी संख्या में राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विधायक और पार्षदगण भी शामिल हुए। डबल शंकर महादेव मंदिर विकास समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत मंदिर में खूबसूरत झाकी सजाई गई और भगवान शंकर का भव्य श्रृंगार किया गया, इस अवसर पर रास्ते के मकानों को भी भव्य रोशनी से सजाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सैकडो भक्तो ने कदम्ब डूंगरी के महन्त सीतारामदास जी महाराज, गोविन्ददेवजी के महन्त अंजन कुमार जी गोस्वामी की अगवाई में भगवान शंकर की आरती उतारी गई। कार्यक्रम में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, हवामहल विधायक व हथोज धाम के महाराज श्री बालमुन्दाचार्य जी, पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक, भाजपा नेता सुनील कोठारी, सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, पूर्व उपमहापौर मनीष पारीक व मनोज भारद्वाज, नरवर सेवा समिति के महामंत्री बी.एम.शर्मा सहित व्यापारी संगठन के प्रतिनिधियों ने शिरकत है। इस अवसर पर महादेव मंदिर के बाहर स्थित परिसर में आठ हजार से अधिक लोगो ने टेबल कुर्सियों पर बेठकर पंगत प्रसादी प्राप्त की। सबसे पहले सन्तों, बच्चों और वाल्मिकी समाज के लोगो ने प्रसादी प्राप्त की। श्री खण्डेलवाल ने बताया कि डबल शंकर महादेव मंदिर समिति की ओर से गत 20 वर्षो से हर वर्ष जन सहयोग के माध्यम से विशाल पौषबडा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल ने आगन्तुकों का स्वागत किया।

कजोड़मल जी झिलाय परिवार द्वारा रचाया गया विज्ञातीर्थ पर श्री शांतिनाथ विधान

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुंसी (राज.) में श्री श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाने का सौभाग्य कजोड़मल झिलाय वाले निवाई सपरिवार ने प्राप्त किया। भक्ति भावों के साथ मण्डल पर 120 अर्घ्य समर्पित किये गये । तत्पश्चात निर्मल धुंआ ने भगवान की शांतिधारा कराने का सौभाग्य प्राप्त किया एवं जन्मदिन के उपलक्ष्य में गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। टोंक से यात्रीगणों ने दर्शनों का लाभ प्राप्त किया एवं निर्विघ्न यात्रा सम्पन्न हेतु गुरु माँ से आशीर्वाद प्राप्त किया। आज प्रातः 8 बजे वर्ष 2024 के शुभागमन पर भगवान शांतिनाथ जी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक का आयोजन भारतवर्षीय सकल दिगम्बर जैन समाज एवं चातुर्मास समिति द्वारा किया जा रहा है।

श्री राजेन्द्र-कुसुम जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

Happy Anniversary

1 जनवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

परामर्शक: दिनेश - संगीता गंगवाल

सचिव: राजेश - पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

पौष बड़ा का आयोजन में भेरुजी की सजाई झांकी

राजेश अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। सोनियो का दरवाजा पुरानी टोंक स्थित भेरुजी काला बाबा के रविवार को पौष बड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक राजेश अरिहंत ने बताया कि इस अवसर पर भेरू जी की फूलो से मनोरम झांकी सजाई गई श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन किए सायंकाल भेरू जी के पौष बड़े का भोग लगाया गया। कार्यक्रम में प्रदीप सोनी, विजय सोनी, पारस सोनी, गुड्डू कासलीवाल, मनीष सोनी, सुनील, मोनू, राहुल, नवीन, रेखा, चीना, कामिनी, गरिमा बीना, नीलम, तृप्ति, रीना सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे

लदाना ग्राम के चन्द्र प्रभु जिनालय में हुआ शांतिनाथ महामंडल विधान

लदाना. शाबाश इंडिया

फागी परिक्षेत्र के लदाना ग्राम के चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में महावीर प्रसाद, विरेन्द्र कुमार, विनोद कुमार जैन गोयल परिवार लदाना ने परिवार की अनिषा जैन के राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयनित होने पर भक्ति भाव से साज सज्जा के द्वारा शांति नाथ महामंडल विधान करवाकर पुण्यार्जन प्राप्त किया, कार्यक्रम में जैन महासभा सभा के लिए प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि इससे पूर्व प्रातः अभिषेक, शांति धारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना की गई तथा प्रतिष्ठाचार्य विमल कुमार जी जैन बनेठा वालों के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा विधान पर श्री फलों द्वारा 120 अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में आयोजक परिवार द्वारा सभी आगंतुक विशिष्ट जनों का तिलक, माला, शाल दुपट्टा एवं साफा से स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम में लदाना दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष कैलाश ठोलिया ,, सोहनलाल झंडा फागी, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, संतोष जैन, महावीर प्रसाद गोयल, विनोद जैन, विरेन्द्र जैन, लदाना, शिखर जैन अजमेर, योगेश जैन जयपुर, राहुल जैन, महेंद्र गोधा, प्रेमचंद गोधा, कमल जैन लदाना, महावीर मोदी फागी,तथा राजाबाबु गोधा फागी सहित सभी श्रावक-श्राविकाएं मोजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com